Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Need to take measures for welfare of orphaned children in country.

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरूच): मैं देश में अनाथ बच्चों को नागरिक अधिकार प्रदान किए जाने की आवश्यकता की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। जैसा कि सरकार को जानकारी है कि 'अनाथ' शब्द की अलग-अलग परिभाषाएं हैं। सामाजिक रूप से अनाथ वे बच्चे होते हैं जिनकी अत्यधिक दरिद्रता, शारीरिक शोषण और परित्याग के कारण देखभाल नहीं हो पाती। यूनिसेफ के एक पूर्व सर्वेक्षण के अनुसार दुनिया में लगभग 20 मिलियन बच्चे अनाथ हैं और 4 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या भारत में है। बहुत से बच्चों के माता-पिता नहीं है तथा असंख्य बच्चों को परिवार ने त्याग दिया है और वे सड़कों पर घूमते हैं। अनाथ बच्चों की कोई सामाजिक पहचान नहीं है और देश में उनके लिए कोई सुरक्षात्मक तंत्र मौजूद नहीं है। वे समाज में बहुत जोखिम भरे परिवेश में जीते हैं। इस संबंध में मेरा सरकार से आग्रह है कि अनाथ बच्चों को नागरिक अधिकारों के साथ ही सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकारों से अविलंब परामर्श करके उन्हें मुख्यधारा में जाने के समस्त सरकारी प्रयास किए जाने चाहिए।